मातृभूमि

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» कवि परिचय -- सोहनलाल द्विवेदी और देशभक्ति कविता

» मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता -- हिमालय, नदियाँ, झरने

» मातृभूमि के अनेक रूप -- पुण्यभूमि, स्वर्णभूमि, जन्मभूमि, कर्मभूमि

» महापुरुषों की भूमि -- राम, सीता, कृष्ण और गौतम बुद्ध

» कठिन शब्दों के अर्थ -- त्रिवेणी, सिंधु, मलय पवन

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. सोहनलाल द्विवेदी जी की कविताओं का मुख्य विषय क्या था, और क्यों?

› उनका जन्म उस समय हुआ जब भारत पर अंग्रेज़ों का शासन था
› उन्होंने अपनी लेखनी से अंग्रेज़ों का विरोध किया
› इसलिए उनकी रचनाओं का सबसे प्रिय विषय 'देशभक्ति' रहा

उत्तर – सोहनलाल द्विवेदी जी की रचनाओं का मुख्य विषय देशभक्ति था, क्योंकि वे अंग्रेज़ी शासन के दौर में लिख रहे थे और अपने शब्दों से देशप्रेम जगाना चाहते थे।

उदाहरण 2. कविता में 'सिंधु' शब्द किसके लिए प्रयोग हुआ है?

› पाठ्यपुस्तक का प्रश्न पूछता है 'हिंद महासागर के लिए कविता में कौन-सा शब्द आया है'
› कविता में हिमालय के चरणों में झूमते हुए बताया गया है
› उत्तर है 'सिंधु', जिसका अर्थ यहाँ समुद्र/महासागर है

उत्तर – 'सिंधु' शब्द हिंद महासागर (समुद्र) के लिए प्रयोग हुआ है, जो हिमालय के चरणों में झूमता हुआ बताया गया है।

उदाहरण 3. कविता में कवि ने भूमि के लिए कौन-कौन से नाम प्रयोग किए हैं और उनका क्या अर्थ है?

› पुण्य-भूमि = पवित्र भूमि
› स्वर्ण-भूमि = सोने जैसी कीमती भूमि
› जनम-भूमि/मातृभूमि = जहाँ जन्म लिया, माँ समान भूमि
› धर्म-भूमि/कर्म-भूमि/युद्ध-भूमि/बुद्ध-भूमि = कर्तव्य, वीरता और ज्ञान की भूमि

उत्तर – कवि ने भूमि के लिए पुण्यभूमि, स्वर्णभूमि, जनमभूमि, मातृभूमि, धर्मभूमि, कर्मभूमि, युद्धभूमि और बुद्धभूमि जैसे नाम प्रयोग किए हैं, जो भारत के प्रति पवित्रता, गर्व, अपनापन और कर्तव्य की भावना दिखाते हैं।

उदाहरण 4. कविता के अनुसार गौतम बुद्ध ने संसार को क्या सिखाया?

› पंक्ति है 'गौतम ने जनम लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया'
› आगे कहा गया 'जग को दया सिखाई, जग को दिया दिखाया'
› इसका अर्थ है बुद्ध ने पूरी दुनिया को दया और सही मार्ग (प्रकाश) दिखाया

उत्तर – कविता के अनुसार गौतम बुद्ध ने संसार को दया (करुणा) सिखाई और सही राह/ज्ञान का प्रकाश दिखाया।

उदाहरण 5. 'त्रिवेणी' और 'मलय पवन' शब्दों का अर्थ बताएं।

› 'त्रिवेणी' शब्द को तोड़ें -- 'त्रि' यानी तीन, 'वेणी' यानी धारा/चोटी

› इसका अर्थ है तीन नदियों का संगम स्थान

› 'मलय पवन' का अर्थ है दक्षिण भारत के मलय पर्वत से आने वाली सुगंधित हवा

उत्तर – 'त्रिवेणी' का अर्थ है तीन नदियों का संगम, और 'मलय पवन' का अर्थ है मलय पर्वत से चलने वाली सुगंधित हवा।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है 'कवि परिचय दीजिए' -- नाम, समय (अंग्रेज़ी शासन काल), और मुख्य विषय (देशभक्ति) तीनों लिखना ज़रूरी है।

• 'सिंधु' और 'त्रिवेणी' जैसे शब्दों के सही अर्थ परीक्षा में ज़रूर पूछे जाते हैं -- कठिन शब्दों की सूची अलग से याद रखें।

• दोहराई गई पंक्ति 'वह जनमभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी' को पूरा और सही क्रम में लिखने का अभ्यास करें, यह प्रश्न अक्सर पूछा जाता है।

• 'रघुपति किसे कहा गया है' जैसे प्रश्न परीक्षा में सीधे पूछे जाते हैं -- उत्तर हमेशा पूरा नाम (श्री राम) के साथ लिखें।

• कठिन शब्दों के अर्थ वाला प्रश्न (शब्दार्थ) लगभग हर परीक्षा में आता है -- इन तीन शब्दों को एक साथ रटकर याद रखें।

एक नज़र में रिवीज़न

› सोहनलाल द्विवेदी - देशभक्ति कवि, स्वतंत्रता से पहले लिखने वाले।

› हिमालय आकाश चूमता है, सिंधु (समुद्र) चरणों में झूमता है, गंगा-यमुना लहराती हैं, पहाड़ों में झरने और चिड़ियाँ।

› पुण्यभूमि (पवित्र), स्वर्णभूमि (कीमती), जनमभूमि/मातृभूमि (अपनापन), धर्मभूमि/कर्मभूमि (कर्तव्य)।

› रघुपति (राम) और सीता का जन्म, श्रीकृष्ण की गीता, गौतम बुद्ध की दया की शिक्षा -- सब इसी भूमि पर।

› त्रिवेणी = तीन नदियों का संगम; सिंधु = समुद्र; मलय पवन = सुगंधित हवा (मलय पर्वत से)।